

प्रवेश
१९९६
ॐ

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुळें.

— हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह : —

ग्रंथ क्रमांक
ग्रंथ नाम



१२१६ (२१६)

श्रीसमर्थोच्चाः शैलिकं प्रकरणांचें

विषय मराठी काव्य.

Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

रामदासी

क्र. नं. ६

मराठी

काव्य

बाड - कसाड - काशीनाथ खेव

मार्ग चिं बाड

साहित्यिक पत्रे

यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान

015

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ सगुणध्याय

॥ श्रीराम ॥ आतां वंदिन कुळदैवत ॥ जो सं
 ॥ कठिसां भाळिल ॥ व्याहे निजदासा ॥ १ ॥
 ॥ एकवचनियकबाण ॥ एकपत्रआमंग
 ॥ हाण ॥ व्याजिंकराक्षिसा निर्वण ॥ कर्तार
 ॥ मर्थयक ॥ २ ॥ जो ॥ पुष्पेपरायेण ॥
 ॥ शांतिनावरणे ॥ जेव्ही बंक
 ॥ परमकठीण ॥ ३ ॥ बळे ॥ ४ ॥ जो
 ॥ लावण्याचा जन ॥ सोर्याचाय
 ॥ क ॥ जोमाले उ ॥ च्यातुनिधि ॥
 ॥ ४ ॥ येसारा मराजीवनयेन ॥ साधुजना
 ॥ चें सुवन ॥ त्याप्रसुचे ध्या न् वणि न प्रहा
 ॥ कुहाकु ॥ ५ ॥ लुवठविले रसाच बाणि ॥
 ॥ निमासुरवटनवेळाळ ॥ लावण्या सा
 ॥ जिरेकेवळ ॥ आनंदाचें वोललें ॥ ६ ॥



Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(2)

॥ सुरेव सल्लता विकटा ॥ सरव सलेज
 ॥ न्नाशा पुठ ॥ निठने पा किले ललां ठ ॥ ते
 ॥ ये नीवे छि सा डि रि ॥ ७ ॥ केशर उधे बुड
 ॥ लं लं ठि ॥ वरि कर चुरि कां दु वे दि ॥ सुरं
 ॥ गषा क्षतां ची परि ॥ सो सा य मान ॥ ८ ॥
 ॥ रत जा डि दाम ना ॥ इ लं लु छ प रि क
 ॥ स कारें ॥ जे व ॥ पें शरें पै वित
 ॥ जालें ॥ सुरं ॥ वि चि य ॥ काम
 ॥ छ ति क्ष ण प्र ह्त ॥ से क र्ष वि शा क्ने
 ॥ ३ ॥ चा र्घो न्म की ले ॥ १ ॥ १ ० ॥ आ न र्घे
 ॥ रतं शु ध हे मि ॥ ख चि मु ग ठिं फा क ति र स्मी ॥
 ॥ जै सा मा ध व व रु श तां व्यो मि ॥ घ ग ठे वि
 ॥ दृ ल्प तां ॥ १ १ ॥ तै सी च की र टि वे जा च ॥
 ॥ पि त षा र क् फा क ति कि ॥ विले प ने सा
 ॥ हे सु किं ॥ प्र का डाले तें ॥ १ २ ॥ आ प्यां



Project of Rawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Prasthhan, Mumbai.

गकेलान्वयंकवैलये ॥ चाचरकुरळि ॥
 गुंफीलिफुले ॥ तेंणेंपरिमळ ॥ लोष
 लेंमानसमधुकरचें ॥ १११ ॥ तयाकुसु
 माचेंनिवेधें ॥ रुंशीकरिदिवाठपदे ॥
 आंतराळि सुंकारडाळे ॥ श्रीतिनेपांगु
 ळति ॥ ११२ ॥ दिव्यांनयाचपोनिपंठा ॥
 मस्तकिचेहीन ॥ चरिनक्षेत्र
 गोमठा ॥ घोडा ॥ आचां ॥ ११३ ॥ ना
 नासुमनालिया ॥ सुरुरवेसी
 लघातलापाया ॥ धरिमळेंआ
 गळा ॥ नेतनेंसुवायो ॥ ११४ ॥ सर्ववन
 व्यानंदवदनं ॥ मंदहास्येंशनकतिद
 शने ॥ हूपाद्रिहीआवलोकन ॥ क
 रिनिजदासां ॥ ११५ ॥ प्रवाळवल्लीपर
 मकळिण ॥ सुरंगचिपरैपाशाण ॥ को



॥ म... घरि द्रु... तहिण... को... वि...
 ॥ नये ॥ १८ ॥ कोठिसद... नमंयेक ॥ उ...
 ॥ पसेनेये श्रीमुख ॥ पुर्ण... वाचें पुर्ण...
 ॥ बिकें ॥ लावण्यें शोभां मुख श्री ॥ १९ ॥
 ॥ चुबुक साजि विहानू बरि ॥ सुकसा
 ॥ लालों बरि कें... विदु... दे उ बा
 ॥ हुवरि... रन... कति ॥ २० ॥ शो
 ॥ अविशा... वक्ष... उदरि विवेळि
 ॥ सर... ले... मुख ॥ चतु
 ॥ राननाचें ॥ २१ ॥ रनखचितपदकग
 ॥ बां ॥ शोभतिपुष्याचिया साळा ॥ कं
 ॥ ट... देसिमेखळा ॥ जघनसानुरिह्या
 ॥ कुति ॥ २२ ॥ पितांबरुमालगटि ॥ कास
 ॥ कामल्लिगोमटि ॥ क्षुद्रघंठाचिदाटि ॥



Joint Project of
 Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and
 Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥ श्रीगणेशकथाचारं ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसरस्वते नमः ॥ श्रीग

॥ रुद्राय नमः ॥ यक्रतुं उहादयासितामनि ॥

॥ शारदादिसेम्ये लोचनि ॥ सद्गुरुस्वये हु

॥ स्तमस्तकी ॥ ते मुनिदुणे गंथबो लकि ॥ १ ॥

॥ श्लोक ॥ रुद्रिपुसे वने नमो जया हो ॥ वदे

॥ हस्तजो दुनि भावे ॥ जे इतिहासे ठ

॥ लाविष्णु क हो ॥ गा न लाह कया

॥ हो ॥ २ ॥ बोकि लरि ॥ तारथ ॥ सांगलो

॥ कया तु ज संवेद ॥ न ह मु र्म सुपति ॥

॥ द्राविडामध संवेद ॥ ३ ॥ आचर सहा

॥ वेदशास्त्रता ॥ नाचर कदा आणि कामला ॥

॥ धमे इति व हि दान शुरुवा ॥ स्वर्गधारणे शुरु

॥ विरेला ॥ ४ ॥ विष्णु मफिरि राल लासे मस

॥ तसंगति नियता वसे ॥ नमना बहु फारमा

॥ नसि ॥ बाणलित या र्मो ति हे जासि ॥ ५ ॥ पुश्क



॥ राति रिच्या नलउनि ॥ वैसलाखासे
 ॥ यौराचिलनि ॥ आंगस्तेतेथपावलावरे
 ॥ नाहिदेखीलराजमाविर ॥ ६॥ कोपलाक
 ॥ सिकोयबालील ॥ ईद्रुद्रुमलुद्रुमति
 ॥ फल ॥ देखिल्यामलाघानलाविसि ॥
 ॥ याचफकीनदरस ॥ ७॥ नरोहसि
 ॥ पुत्रामल ॥ दस ॥ ब्रयाकदसि
 ॥ फकिहेनवि ॥ इनमस्ततुहसि
 ॥ हासिलराणि ॥ ॥ क्यहसससा
 ॥ चारमामि ॥ ॥ हासलसनेथकायशा
 ॥ पिल ॥ जाय आपघायवाडिल ॥ पाह
 ॥ पाहकोणन्यायेवतेले ॥ त्राहत्राहकाय
 ॥ आलपावले ॥ ९॥ जरितुहासदेखिले
 ॥ आसेलआजिलोचनि ॥ तरिघडेल
 ॥ देहपातसीप्रयाचभुवनि ॥ आसेआ



Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Chikhan Prastishan
 "Jai" "equation"

(२)

॥ सोनिश्रापिले आनाथनाथबंधुजि ॥ व
॥ रेवुहासि मानिकरालका यकर्मजि ॥
॥ १० ॥ आत्पायविणश्रापिले मजतुही
॥ स्वामिआगरस्तिमुनि ॥ ध्यानिमिनिज
॥ मंदिरि नदितिरेथानसहोतामनि ॥
॥ कर्मोभिगालेन ॥ धिहरालस्मी
॥ पतिला मुनि ॥ यलहापुढ
॥ रुसिमलपुत्र ॥ आइमि ॥ ११ ॥
॥ बरेजगानिवो ॥ नंतमुतिदेख
॥ सि ॥ लागताचदेवहरतमुदिपुणपा
॥ वसि ॥ परिसहश्रवरुशेनागयोनिप्रो
॥ जीसि ॥ आसेवदानिचालिलाआग
॥ स्तिदेवतेरुसी ॥ १२ ॥ श्लोक ॥ पुढव
॥ तलेकायसापुंकरिहो ॥ श्रीयायुक्तो
॥ गंधर्वराहेजबीहो ॥ जधिक्कीडताव



॥ हुउन्मंत जाला ॥ नमानिकदा देव
 ॥ रुसि गनाला ॥ ११ ॥ स्नानाते रुसि पु
 ॥ शंकरा तसिरला आघ्या जिं की घेतल्या ॥
 ॥ गंधर्व की उता जळि रुसि त्रहस्तोद
 ॥ पहिवेटीला ॥ क्रोध आ पवद जळातरु
 ॥ सिलो उमाने मल्ल वारिले ॥ नाउ साव
 ॥ जहा म्पुनेर ॥ घा मिले ॥ ११ ॥
 ॥ रुसि लांगिवा ॥ यवाले ॥ विना
 ॥ दाक से विकुरा ॥ गेले ॥ बरे सिघ
 ॥ पुआप हावादि ॥ आसि एक तालि
 ॥ णवाक्य निवाला ॥ ११ ॥ सहश्रयकव
 ॥ रुवे जळामा जी राहि ॥ गजेंद्रा चिया जो
 ॥ बसि ति व पाई ॥ तया लागी तो विद्यु य
 ॥ इ ल जळा ॥ हरि दर्शने पावसि मुकीले
 ॥ हा ॥ ११ ॥ ६ ॥ सर्वे चि आ प पावला इ इ इ



"Joint Project of the
 Banashankar Mandal, Dhule and the
 Chavan Prashikhan, Nashik."

(9)

॥ पितु चिसाचार ॥ गीरिवरनिरेतर व्यंक
 ॥ ठरुपविलासि ॥ २५ ॥ पंढरि होउनिपां
 ॥ उरं ॥ धरिल्लापुंडलिकाचासंग ॥ लो
 ॥ चिकेडोचिकेशीरंग ॥ मला लागीरदी
 ॥ सि ॥ २५ ॥ यालागीस्मरेदवदास ॥ ठउनि
 ॥ हारिवरणेविश्वाम ॥ साहाकारिमला
 ॥ स ॥ जगुनीतु ॥ से ॥ २५ ॥ जयज
 ॥ याजीपुराणपु ॥ जयजयाजी
 ॥ निरोलमा ॥ जय ॥ जगुणधामा ॥ आ
 ॥ वारमहिमा ॥ २५ ॥ जयजया
 ॥ जीजेगदोधारा ॥ जयजयाजिपरांपरा ॥
 ॥ जयजयाजिगुणसागरा ॥ विश्वकारा
 ॥ व्वादिमुर्ति ॥ २५ ॥ जयजयाजिमलवध
 ॥ का ॥ जयजयाजिव्रीलोकपाळा ॥ जय
 ॥ जयाजिदहपाळा ॥ आळालिकाहारि
 ॥ लुडी ॥ २५ ॥ जयजयाजिविश्वकापका ॥



of the Ralawade Sanstodhan, Mendal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ बोलणे ॥ लेखे । तिवे किजे सावधान ॥ ग्रं
 ॥ धाखरसगवंतवचने ॥ येथार्थमानिजे निश्च
 ॥ यस्मि ३६ ॥ कोणसिपडलियासंकठ ॥ आ
 ॥ यवाअालिया दुघठ अरिहृ ॥ मानेतिनस
 ॥ पके मंघपाठ ॥ आदरकरुनिकरावा ॥ ३३ ॥
 ॥ युत्रार्थिआथयाधनाये ॥ मानेतिनमास
 ॥ कराव्याआवर्ति ॥ मंपकरिलभीप
 ॥ गति ॥ जोकरिल ॥ ३४ ॥ आसाद
 ॥ राबिउमारिलन ॥ नपिकलाष्यासक
 ॥ फार ॥ यानेक ॥ उकार ॥ आदरेक
 ॥ रुनिकरावे ॥ ३५ ॥ मृतपिडाचिसमंधवाथा ॥
 ॥ प्राणियासिजालिआपदा ॥ पंचसपकेमंघ
 ॥ सदा ॥ श्रवणकरावेसासि ॥ ३६ ॥ द्याक
 ॥ रिलव्येकठरमण ॥ येदुार्थिवाहावसेवा
 ॥ य ॥ कारग्राहनेवर्धन ॥ दयसपकेसु
 ॥ ठल ॥ ३७ ॥ जेजेईछाथरिलप्राणि ॥



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(12)

लेले पुर्ण करि लये कृपाणि भया ल्गागी
 ग्रथ पठनी ॥ आल स्या सर्वथान कर
 वा ॥ ४२ ॥ देवदास विन विपुडले पुडति ॥
 ग्रथ के वळ मागी रथि ॥ श्रवण स्नान उ
 लम गति ॥ प्राणिमात्रा सिपे होये ॥ ४३ ॥
 सेवध कारिके वने ॥ सोम्य वार प्रथ
 म प्रहरि ॥ पुणे ॥ ४४ ॥ श्री
 विसाव काश ॥ ४५ ॥ देलिव्यं क
 देश श्री वरुण ॥ श्री रसचैलं न्य
 कील ॥ देवदास ॥ रथि ॥ संपुणस
 तवर्णन प्रथम प्या वने ॥ समापुष्टि सं प्र
 वतु ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥



॥ श्री पांडुरंग प्रसन्न ॥

Om ११

॥ देव रवरा हरि ॥ शरणं गतदि
 ॥ न करि धरि ॥ निजरूप स्वरूप ब
 ॥ शो बरि ॥ करुणा घन पावन लोक
 ॥ रि ॥ ८८ ॥ घननिष्ठ तनु आति सां
 ॥ वळ ॥ जघनिने विरसुंदे पी वळ ॥ र
 ॥ कठि की की गि ॥ वा जति ॥ प
 ॥ हने पुर वा ॥ गे ति ॥ ९९ ॥
 ॥ सुरभुषण र ॥ गणि ॥ रण
 ॥ कर्कशादे सु ॥ वणी ॥ रिपुका
 ॥ लकशाळ विद्दारी लो ॥ रण रंग सु
 ॥ रणि महवारि लो ॥ ६० ॥ सुरकं
 ॥ ठक मोचन पावला ॥ शरमार
 ॥ करित उठा वला ॥ दशमुख कु
 ॥ रंग विदारि ला ॥ आ मर पद्वा
 ॥ श - विलास ला ॥ ६१ ॥ सी व ज्या

॥ आ या बा यो मा उ ब्या पु त जिया ॥ का
 ॥ क्या मा म्या सा सु वा मे हु णिया ॥ आ
 ॥ ड्या उया ला भा वि या अ णि सु ता ॥
 ॥ सु ना का ला गो त्र जी या बहु ता ॥ १५ ॥
 ॥ अरि या वि सो य री ये प्र प वि ॥ ना
 ॥ वं घ ती सर्व ना ग रि चि ॥ लो कें
 ॥ लो कें गं तं तं तं तं तं ॥ के णि
 ॥ ना हि र घ वं तं तं तं तं ॥ छ
 ॥ त्र्या घो ड्या तं तं तं तं ॥
 ॥ सा चे मे तं तं तं तं ॥ सा
 ॥ लि घा लि कै चि मि वा लि ॥ वा खा हो
 ॥ तां सर्व से र्वी प वा लि ॥ १६ ॥ य कां
 ॥ पो ठा का र णं सर्व कां हि ॥ य सं सारि
 ॥ पां हा तां सु ख नां हि ॥ दे वा दे वा का
 ॥ य हो इ ल कै से ॥ अ से ते से ला ग ले
 ॥ ते वि पि सं ॥ १७ ॥ हि न व छ व



Digitized by the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ न सावकाः क्रीयसी गो वीले गो पा
 ॥ ७१ ॥ इणि नात कावे उद कारि ॥ ७१ ॥
 ॥ आसी आ कर्मा कार गो वळि ॥ सर्वे द
 ॥ उद का दे वि टा वि ॥ ह्ये नि हा ल मा
 ॥ रवी ल का वळि ॥ पुं दी कर ल ठे टी रि
 ॥ सि ॥ ७२ ॥ योगि ॥ उ लि मु डो नि ॥
 ॥ खे व त ज ल ॥ ॥ लु क सि स प्र
 ॥ द क्ष णा क र ॥ वे ति क नी मं डु
 ॥ वि ॥ ७३ ॥ इ ल ॥ ग ट ल मा ध्या नि ॥
 ॥ हो उ आ ले षा ॥ ग म ग श्री ह्य षा
 ॥ बोल व चे न त च ल जा उ वृ जा प्र ति ॥ ७४
 ॥ दे ह ड पा उ लि उ म रा हो नि ॥ गा इ र व
 ॥ णा वि षा वे णु ध्य नि ॥ ठ व कारि वि
 ॥ चा ग वि स रो नि ॥ आ ल म । सु र डो नि
 ॥ दु व र ल ॥ ७५ ॥ कळ पा चि ला वि लि



Project of the
 Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the
 Yashwantrao Chavan Pratishthan
 "Jedunwale"

॥ हरि ॥ गोपाळ घालिनिघुमरि ॥ ७
 ॥ गाई ललिबांवरि ॥ पोवामोहरि वा
 ॥ जविषि ॥ ७६ ॥ सुदामा जालायंत्रथा
 ॥ रि ॥ कोणकोणालाविलच्या पारि ॥ स
 ॥ वेचाललि उपराउपी ॥ नानापरिखेळ
 ॥ त ॥ ७७ ॥ पेंदा घे ॥ आशोकं टाकी ॥
 ॥ वेळवेळ घा ॥ ७८ ॥ वाकुडाकौ
 ॥ तुकें फोडिआ ॥ रामाजवळिपा
 ॥ तले ॥ ७९ ॥ राम ॥ साईकाळि ॥ ब
 ॥ लेबैकुनिमि ॥ उल्लासतिगोपि
 ॥ वाळि ॥ घालिति रांगेळिमोतियाच्या
 ॥ ७९ ॥ लक्ष्यानुलक्षिआरसाकरि ॥ घे
 ॥ पुनिनिघाल्या नगरनारि ॥ आबवो
 ॥ वाळिति श्रीहरि ॥ लोणउतरियेशा
 ॥ दा ॥ ८० ॥ गाईसुदल्या गोळणि ॥
 ॥ गोपाळगेलेआइलावेतुनि ॥ आप्र



Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the
 Chavan Pratishthan
 Digitized by eGangotri

॥ णत्रवकाले निजमुवनि ॥ श्वस्तीक
 ॥ आसनिवैसले ॥ ८१ ॥ बैसावाककी
 ॥ डेचासोहका ॥ जनिजनार्दुनखेकेषा
 ॥ वलिका ॥ युवनार्थी उल्हासमेका ॥
 ॥ वाकलिकामादाज ॥ ८२ ॥ इति श्री
 ॥ वाककी उसण ॥ सुसंभवतु



॥ रसं जिपंलाचि ॥
 ॥ दामाजिपंतोच ॥ रसदुजरगलि ॥ ल
 ॥ ज्यासांसाकिलि ॥ देवरायो ॥ वा व
 ॥ याचेचेरित्र ॥ परिसावेसादर ॥ करि
 ॥ लोनस्कार ॥ संतजेना ॥ २३ ॥ संग
 ॥ कवेदाआसे ॥ वस्तीकुंतुवेसि ॥



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com